CHILDREN'S JAIN MAGAZINE
(English, Gujarati & Hindi)
EVERY FORTNIGHT
25TH January 2016

Rs. 5.00/-

LOOK n LEARN

યૌવન વયમાં સુખ છોડનારા મહાન
આ કાળમાં સાધુ થનારા મહાન
આ કાળમાં સાધ્વી થનારા મહાન

Year - 9, Vol: 6, Issue: 12, Date: 25.01.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

Diksha is like turning the key to ignite the car, but unless a disciple is strong and firmly committed to his Guru, the car will not move. It will simply be a waste of petrol.

A disciple needs his Guru in order to learn how to manipulate the gears and move. In other words, a Guru bestows grace through Diksha.

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription:
10 Years Rs. 500
Lifetime Rs. 1000

પાવનધામ કાંદિવલીના આંગણે, શ્રી સમસ્ત કાંદિવલી-બોરીવલી-મલાડ સ્થા. જૈન સંઘો આયોજિત

રાષ્ટ્રસંત પૂજ્ય ગુરુદેવ શ્રી નમ્રમુનિ મહારાજ સાહેબની

સંયમ રજત જયંતિના પાવન અવસરે આઠ-આઠ યુવા-શિક્ષિત આરાધક આત્માઓનો

શ્રી ભાગવતી જૈન દીક્ષા મહોત્સવ

14.02.2016 Sunday

આઠ આત્માઓને અભિનંદન
સંયમ જીવનને કોટી કોટી વંદન

સવારે
08:15 કલાકે

પાવન સ્થળ

ડુંગર દરબાર, પાવનધામ,
મહાવીર નગર, B.C.C.I ગ્રાઉન્ડ સામે કાંદિવલી (વેસ્ટ). મુંબઈ.

संयम अवसर छे Inspirational, संसार मां नथी थवु Emotional
संयमीने जोई थाओ Motivational,
करो संयमनी अनुमोदना, भावो मंगल भावना,
तो आवता भव मां थाशे संयमनी आराधना...

लोच छे Painful, पण कर्मो क्षय करवामां Helpful
भव थाशे Useful, सदा परमात्माने रहेशुं Grateful

शोभायात्रा

दीक्षार्थी आपणा Delightful,
Procession नीकळशे Wonderful,
Jainism नी प्रेरणा मळशे Aimful,
परमात्माना Messenger छे Faithful...

Upkaran

दीक्षार्थी आपणा
छे Aimful
उपकरण तेमना माटे
छे Blissful
पात्रा, पछेडी,
मुहपत्ती, रजोहरण
चारित्र ना उपकरण
छे Wonderful

Diksha...

- A divine Emotion that words cannot express... That divine emotion is Diksha!
- A divine connection that is purely selfless... That divine connection is Diksha!
- A divine bond that you are immensely lucky to possess... That divine bond is Diksha!
- A divine realization that without Guru, your existence is pointless... That divine realization is Diksha!
- A divine vibration that resonates deep down your soul... That divine vibration is Diksha!
- An unconditional Ahobhav that is so pure where a heart worships Guru as the Divine... That divine Ahobhav is Diksha!
- A divine positivity so strong that it gives courage to delete our negativity... That divine positivity is Diksha!
- A divine transparency where your sins are forgiven... That transparency is Diksha!

08th Feb: पाट परंपरा

परंपरा से प्राप्त हुआ ज्ञान, गुरु अपने पात्रवान शिष्य को अर्पित करतें हैं। इस परंपरा को पंचम गणधर सुधर्मास्वामी पाट परंपरा भी कहते हैं। इस दिन अपने गोंडल संप्रदाय के दादा परदादा पू. गुरुवर्यों का गुणग्राम और गुरुदर्शन का हमें संगीतमय कार्यक्रम द्वारा लाभ मिलेगा।

09th Feb: भक्ति संगित

"किर्तन से केवलज्ञान..." यानि गीत संगीत के माध्यम से परमात्मा में लीन होकर अपने कर्मो की निर्जरा करना और दीक्षार्थीओ की अनुमोदना करना कि एक दिन में भी जरुर से दिक्षा/संयम अंगीकार कर सकुं।

10th Feb: भाव दीक्षा दान

क्या हम सभी संयम अंगीकार कर सकते हैं? नहीं तो... इस दिन पु. गुरुदेव हमें ऐसे छोटे छोटे नियम देंगे जिन्हें हम अपने जीवन में अपनाकर संयम भावना पूर्ण कर सकते हैं। अकसर हम मनमें ऐसी द्रढ भावना करेंगे तो एक दिन यह भावना सफल हो जाएगी।

"भावे भावना भावीए, भावे दीजे दान
भावे धर्म आराधीए, भावे केवलज्ञान"

11th Feb: संयम शोभा यात्रा

संयम शोभा यात्रा क्यों? अन्य भाविकोंमें धर्म के प्रति रुची, श्रद्धा बढ़ाने के लिए, भव्य शोभा यात्रा का आयोजन होता हैं। आप भी ऐसी अनुभुति करने को सूबह ७:३० बजे केतन भाई परिवार के साथ कांदिवली में अनुमोदना के लिए अवश्य पधारें।

11th Feb: साकर तुला

सर्वजीव के प्रति मित्रता की मिठाश फैलाना, यहीं हैं साकर तुला विधि। इस दिन दीक्षार्थीओं के देह के वजन के बराबर सक्कर का गरीबों में दान दीया जाता हैं। संयम जीवन में सहायक एसे उपकरणों को संयमी को व्होराने का लाभ हमें इस दिन मिलता हैं। इससे हजारों अंतराय कर्म क्षय होते हैं और पुण्य का बंध होता हैं।

12th Feb: मंडप मुहुर्त

जैनिझम के ४ स्तंभ हैं ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप। मंडप में भी ४ स्तंभ होते हैं। यह ४ स्तंभ उनके जीवनमें मजबूत बने ऐसी भावना करतें हैं।

"माळा रोपण"- तप त्याग और सहनशीलता जैसे गुणों का उपार्जन कर सके इस भावना से दीक्षार्थी के कंठ में माळा रोपण करतें हैं।

12th Feb: स्नेह बंधन

"स्नेह बंधन"- इस दिन दीक्षार्थी अपने संसारी जीवन की अंतीम रक्षाबंधन यह भाव से करेंगे कि उनके भाई बहनो के जीवन में भी संयम जीवन के बीज रोपण हो।

"छाब दर्शन"- इस दिन संसार की मोहक सामग्री का त्याग करके दीक्षार्थी पात्रा, पछेडी जैसे संयमी उपकरण का स्वीकार करेंगे।

"वरसीदान"- परमात्मा के द्वारा कि गई वरसीदान की परंपरा का बहुमान करतें हुए दीक्षार्थी संयम अंगीकार करने से पहले अपनी धन संपत्ती का त्याग करतें हैं।

13th Feb: विदाय समारोह

संसारी परिवार जनों की अंतिम विदाय करने का अवसर....

माता पिता एवं वडीलों के प्रति उपकार भाव दर्शाने का अवसर...

आपकी अनुमती पु. गुरुदेवकी सहमती मेरे भव की हो गई सद्गति

"कोळीया विधी"

इस दिन माता पिता एवं स्नेही स्वजन अंतिम बार अपने हाथों से दीक्षार्थीओ को भोजन कराते हैं।

Mumukshu

Shri Mitulbhai Mehta

Rajkot

Father : Tusharbhai Mehta

Mother : Sejalben Mehta

मितुलभाई कि मित्रता,
हुई परमात्मा के साथ...
शिक्षित हुआ दिक्षित,
चला गुरुदेव के साथ...

Once interested in the working of Machines, he now explores the science of the Soul...

An engineer by education, he will now become a Dikshit by Qualification...

Mumukshu

Shri Akhilbhai Doshi

Mumbai

Father : Hemalbhai Doshi

Mother : Rupalben Doshi

अखिलभाई का जूड़ गया
अध्यात्म से नाता...
अर्पणता करते करते,
समर्पण भाव आ गया...

Once aspiring to construct Dream Houses, he now prays to reach his True Home...

Aspiring to become an Architect by profession, he will now become a Dikshit by Qualification...

Mumukshu
Shri Poojaben Vegda
Mumbai

Father : Harshadbhai Vegda
Mother : Prafulaben Vegda

पूजाबेन है,
एक ऐसी निर्मलधारा...
जिसमें बहती है,
परमात्मा की पावनधारा...

Once aspiring to cure the diseases of others, she now dreams to cleanse her soul from the Karmic Diseases...

A Doctor by Profession, will now become a Dikshit by Qualification...

Father : Deepakbhai Desai
Mother : Nanditaben Desai

संसार के साथ करना है,
तन्वी नाम का त्याग...
नई पहचान के साथ जूड जाना है,
बनने को वितराग...

Once a Pro at Accounts, she now aspires to Balance her Karmic accounts...

A Chartered Accountant by Education, will now become a Dikshit by Qualification...

Mumukshu
Shri Tanviben Desai
Mumbai

Mumukshu
Shri Monaben Fofariya
Mumbai

Father : Prabhulalbhai Fofariya
Mother : Lataben Fofariya

लाडली बेटी के माता पिता को,
करना था कन्यादान...
गुरुदेव की प्रेरणा से मोनाबेन का,
हो गया आत्म कल्याण...

The Constitution taught her a part of Living, The Aagam Shastras taught her the Art of Living...

A Lawyer by Education, she will now become a Dikshit by Qualification...

Father : Dilipbhai Doshi
Mother : Chetnaben Doshi

मोक्ष पूरी जाने के लिए,
जिगीशाबेन दीक्षा लेंगे...
पंच महाव्रत धारण कर,
अंतराय कर्म क्षय करेंगे...

Once Confiding every little secret of her life with God, she now aspires to be like him...

A young devotee of parmatma Parshwanath will now become a Dikshit in his Sharan...

Mumukshu
Shri Jigishaben Doshi
Kolkata

Mumukshu

Shri Kinjalben Doshi

Akola

Father : Manishbhai Doshi

Mother : Nishaben Doshi

एक तरफ है,

देह का जन्म से जूडा परिवार...

और एक तरफ है,

आत्मा के गुणों का जन्म देनार परिवार...

Once a Ranker throughout her school life, she now hopes to be a scholar in the science of truth...

A science enthusiast and aspiring engineer by education, will now become a Dikshit by Qualification...

Father : Navinbhai Shah

Mother : Arunaben Shah

आपकी भक्ति को वंदन,

जीवन बनेगा नंदनवन...

श्रेयाबेन मुक्ति पंथ पर,

परमात्मा का मिलेगा परम शरण...

Once aspiring to design various textiles, she now dreams to design her Spiritual Journey...

A textile designer by Profession, will now become a Dikshit by Qualification...

Mumukshu

Shri Shreyaben Shah

Mumbai

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 6, Issue : 12, Date : 25.01.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

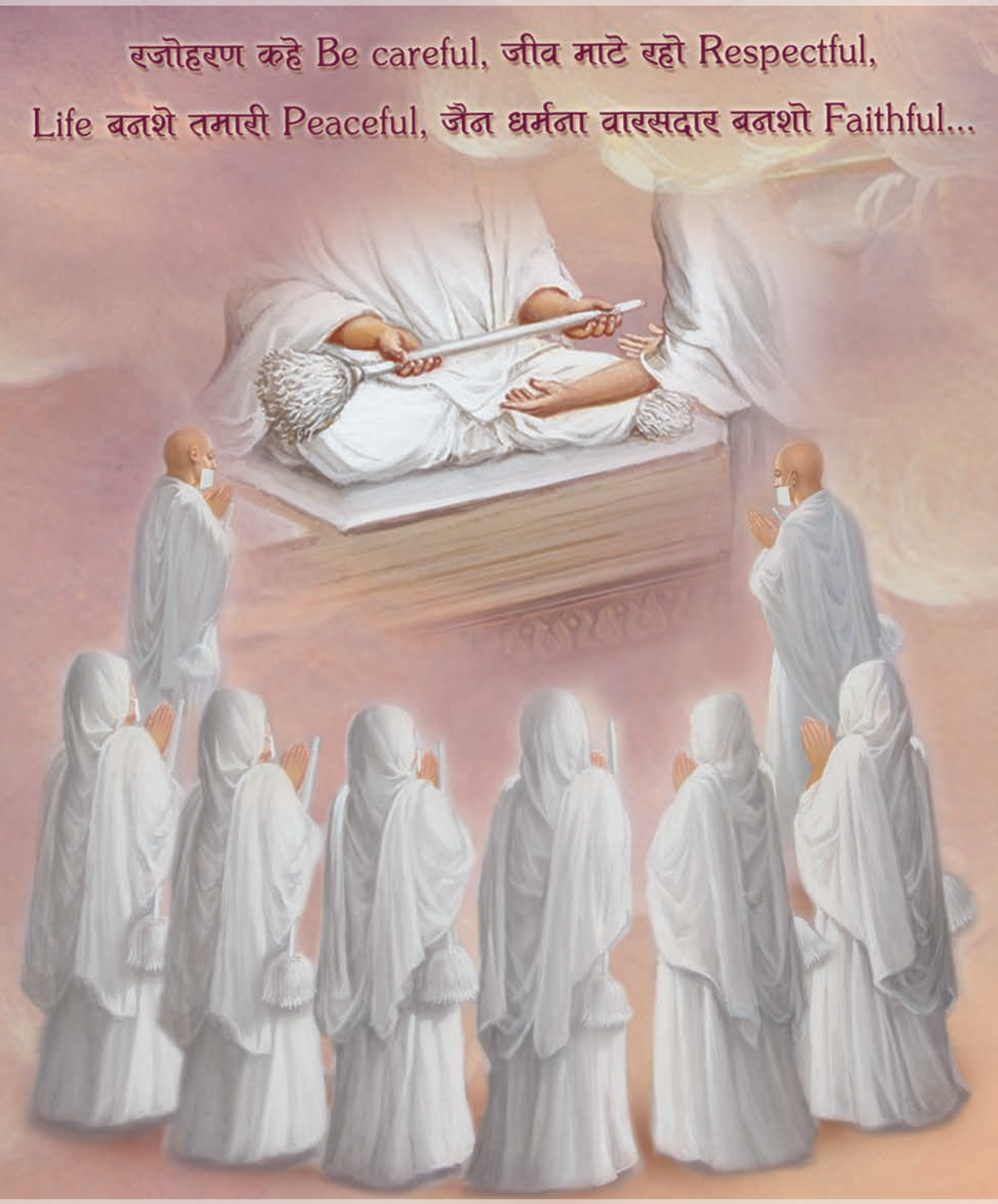

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth